www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
15 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 130 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

घर-घर विराजे विघ्न विनाशक,भक्तों ने किया स्वागत

● देश भर में गणेश उत्सव शुरू, दर्शन के लिए उमड़े भक्त ● इंदौर में तीन टन मिट्टी से बने बप्पा,14 फीट ऊंची है मूर्ति

हैदराबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा,विकसित भारत है थीम

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में सोमवार से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, उप्पुगुडा में विकसित भारत 2047 की थीम पर पंडाल और गणेश प्रतिमा बनाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है। दर्शनों के लिए श्रद्धालु लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव और जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालु

सुबह 5 बजे से रात 11.40 बजे तक दर्शन कर सकेंगे। पटना में इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल बनाया गया है।

शाजापुर में हनुमान मंदिर में गणेश जी भी विराजमान

उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में मनोकामना के लिए भगवान की पीठ पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। शाजापुर के करीब 300 साल पुराने सिद्धवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जी के साथ गणेश जी भी विराजमान हैं। ग्वालियर और टीकमगढ़ में प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ है। ग्वालियर में मिट्टी की प्रतिमाएं 3 से 4 हजार रुपए से शुरू होकर बड़ी प्रतिमाओं के लिए 20 से 25 हजार रुपए तक पहुंच रही हैं।

खजराना में 7 करोड़ के आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार

मध्य प्रदेश में गणेश चतुर्थी की धूम है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, बैतूल, सतना, सीहोर, टीकमगढ़ और मंदसौर समेत कई शहरों में गणपति स्थापना के साथ उत्सव शुरू हो गया है। मंदिरों, बाजारों और पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ है। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपए के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया। सवा लाख मोदक का भोग लगाकर प्रसाद वितरण शुरू हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने ध्वज पूजन किया। बड़ा गणपति मंदिर में भी भीड़ उमड़ी।

संक्षिप्त समाचार

अब सुनकर भी समझ सकेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले

आसान हिंदी में आदेश का ऑडियो-वीडियो जारी होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे। इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट ने इस पहल में दिव्यांगजनों तक न्यायिक जानकारी की आसान पहुंच को भी खास महत्व दिया है।

पत्रकार तरुण तेजपाल का गोवा कोर्ट में सरेंडर, जेल गए

एससी ने याचिका ठुकराई थी; 2013 रेप केस में 10 साल की सजा मिली है

पणजी (एजेंसी)। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी। तरुण तेजपाल के खिलाफ रेप का मामला 2013 का है। तेजपाल पर होटल की लिफ्ट में एक जूनियर महिला सहकर्मी के साथ रेप का आरोप लगा था।

सेना की रिपोर्ट, एलएसी पर चीन ने घटाए सैनिक

पिछले साल 2025 में 12 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए

एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन 2 से बढ़कर 163 हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने एलएसी पर सैनिकों की संख्या घटाई है। एलएसी और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। एक ब्रिगेड में करीब 3 हजार सैनिक होते हैं। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड में पैदल गस्त वाली सेना,टैंक, तोपखाना और एयर डिफेंस क्षमताएं शामिल होती हैं।

● **भारत-चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई**-रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत और चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई। मार्च और जुलाई में सेना की 33वीं और 34वीं बैठक हुई। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुई। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन गए और तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा कम, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भी गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति सेना के लगातार प्रयासों से कंट्रोल में रही। हिंसा का स्तर और विरोध-प्रदर्शन कम हुए। सेना ने बताया कि 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकी संगठनों में शामिल हुआ। इससे पाकिस्तान के उस दावे को झटका लगा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद स्थानीय स्तर पर पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के लोग सरकार और सेना की विकास योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षाबलों ने 2025 में 2 एके-47 राइफल, 75 पिस्टल और 281.41 किलो नशीला सामान बरामद किया। सेना के मुताबिक, यह सामान ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजा गया था। खासकर पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पश्चिमी सीमा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

हाथी का तांडव: ग्रामीण को पटक—पटककर मार डाला

डोईवाला। राजधानी देहरादून के डोईवाला क्षेत्र से हाथी के हमले की एक दर्दनाक घटना सामने आई है। राजा जी टाइगर रिजर्व की कांसरो वन रेंज से सटे क्षेत्र में हाथियों ने स्कूटी सवार एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। हाथी ने ग्रामीण को पटक-पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मारखम ग्रांट के झबरावाला निवासी 51 वर्षीय जमील अहमद पुत्र असगर अली अपने साथी नफीस के साथ स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान वे हाथी कुंड क्षेत्र में पहुंचे, जहां हाथियों ने जमील अहमद को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक हुए हाथी के हमले से नफीस अपनी जान बचाकर मौके से भागे और शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल जमील अहमद को उपचार के लिए हिमालयन अस्पताल, जॉली ग्रांट पहुंचाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। वन विभाग द्वारा मामले की जानकारी जुटाने के साथ ही क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी की जा रही है।

क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार से आबादी में घुस रहे हाथी

ग्रामीणों के अनुसार कांसरो वन रेंज से सटे मारखम ग्रांट के झबरावाला गांव में हाथियों से सुरक्षा के लिए बनाई गई दीवार कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है। आरोप है कि सुरक्षा दीवार टूटने के कारण हाथी आसानी से आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। हाथियों के झुंड द्वारा लगातार आबादी क्षेत्र में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ लोगों की जान को भी खतरा बना हुआ है।

मृतक के परिजनों से मिले विधायक

हाथी के हमले में जमील अहमद की मौत के बाद उनके परिजनों ने डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला से मुलाकात की। विधायक ने परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया और घटना पर दुख जताया।

सुरक्षा दीवार की मरम्मत के निर्देश

विधायक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर हाथी सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त है, वहां तत्काल मरम्मत कराई जाए। साथ ही आबादी वाले क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा गया है। हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत के बाद क्षेत्रवासियों में वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने आबादी वाले क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही रोकने और क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार की जल्द मरम्मत की मांग की है।

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 भाजपा में जाएंगे

यूसूफ सहित तीन का बाहर से समर्थन,हार के बाद टीएमसी टूटी थी

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी से अलग हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले या बाद भाजपा में शामिल होंगे। कूच बिहार सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने रविवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। बसुनिया के अनुसार, दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों के साथ जाने से दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद 14 जून को बागी सांसदों ने ममता का साथ छोड़ दिया था। इन सांसदों ने त्रिपुरा की स्थानीय पार्टी में विलय किया और एनडीए को समर्थन देने का ऐलान किया। अब ये सांसद सीधे भाजपा में शामिल होंगे। हालांकि तीन सांसद- अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल हुए बिना बाहर से एनडीए का समर्थन करेंगे। टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव में बीजेपी का '3 सी' दांव

क्राइम,करप्शन और चिट्टा के साथ जाति का है मुद्दा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावना को देखते हुए बीजेपी एक 'बड़े' चुनावी अभियान की तैयारी कर रही है। पार्टी का अभियान आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद से लेकर अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। बीजेपी का यह अभियान दिल्ली और पश्चिम बंगाल में हाल के चुनावी अनुभवों से भी प्रभावित होगा। इन राज्यों में पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर के साथ मध्यम वर्ग से जुड़े मुद्दों और कल्याणकारी योजनाओं को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाया था।

हालांकि, पंजाब में बीजेपी जाति के मुद्दे पर भी ज्यादा जोर देने की तैयारी में है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, तीन 'सी' यानी क्राइम (अपराध), करप्शन (भ्रष्टाचार) और चिट्टा (ड्रग्स) के साथ अब जाति का मुद्दा भी शामिल होगा।

1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा फिर उठाएगी बीजेपी

बीजेपी 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस पर अपने हमले फिर तेज करने की तैयारी में भी है। पार्टी के एक नेता ने पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को लेकर कांग्रेस के समर्थन को मुद्दा बताया। बीजेपी का मानना है कि इस मुद्दे के जरिए पंजाब में कांग्रेस को घेरा जा सकता है और 1984 के दंगों से जुड़े सवालों को एक बार फिर चुनावी बहस के केंद्र में लाया जा सकता है।

5 साल बाद कब्र से निकाला गया बीजेपी वर्कर का शव

बंगाल का संदेशखाली फिर चर्चा में,दोबारा होगा पोस्टमार्टम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 2021 में चुनाव बाद हुई हिंसा में कथित तौर पर मारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के कंकाल के अवशेष अदालत के आदेश पर पांच साल बाद कब्र से निकाले गए। अधिकारी के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दिन झनझनिया गांव के निवासी आस्तिक चंद्र दास पर कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने हमला किया था।

जबरन शव दफनाने का लगा है आरोप

परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उनके घर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और उन्हें शव को दफनाने के लिए मजबूर किया गया। परिवार के मुताबिक, शव का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद परिवार ने एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अदालत ने शव को कब्र से निकालने का आदेश दिया। कंकाल के अवशेष कब्र से निकाले गए और जांच के लिए भेजे गए।

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

● पहली 2 जांच में सुसाइड बताया गया,एक्टर सुशांत की मैनेजर थीं दिशा

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी। अक्टूबर 2020 में पुलिस ने मौत को सुसाइड बताया था। वहीं दिसंबर 2023 में केस दोबारा खोला गया और एसआईटी बनाई गई।

वंदे मातरम का पूरा गौरव लौटाने में लग गए 80 वर्ष

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में बोले अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूर्ण गौरव लौटाने में लगभग 80 वर्ष लग गए। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान में इस गीत की स्थायी और अटूट भूमिका को रेखांकित किया। 6वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम ने देश के स्वाधीनता आंदोलन में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी भूमिका निभाई थी। यह गीत आज भी भारत की सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य भारत की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के प्रति अधिक से अधिक जागरुकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति सजगता पैदा करना है। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की भाषाई विविधता को हमारी ताकत के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी अलगाव या विभाजन के कारण के रूप में। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करने वालों को घेरा**- गृह मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उस प्रावधान का पुरजोर समर्थन किया, जो छात्रों को अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त एक अन्य भारतीय भाषा सीखने के लिए प्रेरित करता है।

संपादकीय

जातीय विभाजन की दस्तक

भारत में राजनीति का स्तर जाति और धर्म के बीच बंधा हुआ है जिसमें एक वर्ग को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जाया जा सकता है। इसका एक गलत उदाहरण भारत में लागू एससी एसटी एक्ट है जिसको लागू करना यूं तो दलित और पिछड़े वर्गों के उत्थान से जुड़ा हुआ था लेकिन अब यही कानून बदले की भावना और आर्थिक लाभ लेने से जुड़ गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 अर्थात एससी–एसटी एक्ट भी इसी उद्देश्य से बनाया गया था। इसका मूल उद्देश्य उन वर्गों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करना है, जो लंबे समय तक सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न और हिंसा का सामना करते रहे हैं। जिस प्रकार से इस कानून का खुलेआम दुरुपयोग किया जाने लगा है और हिंदू वर्गों को बांटने का प्लेटफार्म तैयार कर दिया गया है उस समाज में दो वर्गों के बीच एक खाई पैदा होने लगी है। समय–समय पर यह बहस उठती रही है कि क्या इस कानून के कारण समाज में दूरियाँ बढ़ रही हैं? एक वर्ग का मानना है कि कानून की कठोर धाराओं के कारण समाज में भय और अविश्वास का माहौल बनता है। कुछ मामलों में झूठे या अतिरंजित आरोपों की चर्चा भी सामने आती है, जिससे सामाजिक संबंध प्रभावित होते हैं। हाल के वर्षों में न्यायालयों ने भी यह स्पष्ट किया है कि केवल किसी व्यक्ति का एससी या एसटी समुदाय से होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपराध का संबंध जातिगत अपमान या भेदभाव से होना चाहिए। हालांकि इस बात से इनकार नहीं है की कुछ मामलों में शोषण भी होता है लेकिन अब यह उतना सत्य नहीं है और इसे अब एक रंजिश और आर्थिक लाभ के तौर पर प्रयोग किया जाने लगा है। चिंता की बात यह है कि राजनीतिक दलों ने दलितों को भी अपना वोट बैंक समझकर कानून को इतना अधिक मजबूत बना दिया है कि वह अगड़ी जातियों के लिए एक संकट बन चुका है। इसी की एक कड़ी यूजीसी एक्टिविटी था जिसके व्यापक विरोध के बाद फिलहाल कोर्ट ने इसे स्थगित कर दिया है।असल समस्या कानून से अधिक उसके क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में दिखाई देती है। यदि किसी कानून का दुरुपयोग होता है तो उससे कानून का उद्देश्य गलत नहीं हो जाता, बल्कि उसके निष्पक्ष और पारदर्शी पालन की आवश्यकता बढ़ जाती है। उसी प्रकार यदि वास्तविक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता तो कानून की उपयोगिता भी कमजोर पड़ जाती है। सेट के दुरुपयोग से अब निश्चित तौर पर हिंदू वर्ग ही दो गुटों में बंटा हुआ नजर आने लगा है जो कि एक अच्छी स्थिति नहीं है। राजनीति और वोट बैंक के लिहाज से राजनीतिक दल इसे हथियार मान सकते हैं लेकिन भविष्य में इसके बेहद गंभीर और चुनौती पूर्ण प्रभाव सामने आने वाले हैं। किसी भी वर्ग को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि कानून उसके खिलाफ है, और किसी भी कमजोर वर्ग को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि उसके अधिकार सुरक्षित नहीं हैं। सामाजिक समरसता का आधार न्याय, समान अवसर और पारस्परिक सम्मान है। जरूरत अब यह है कि एससी–एसटी एक्ट को राजनीतिक या भावनात्मक चश्मे से देखने के बजाय सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के संदर्भ में समझा जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कानून का दुरुपयोग न हो और वास्तविक पीड़ितों को समय पर न्याय मिले। तभी यह कानून समाज में दूरी बढ़ाने के बजाय विश्वास और समानता का माध्यम बन सकेगा। वर्तमान में दो वर्गों के बीच दूरियां साफ बढ़ती हुई नजर आने लगी है और यह यूजीसी एक्ट के लागू होने के बाद अधिक प्रभावशाली हुआ है। अगड़ी जातियों को शायद अब यह समझ आने लगा है कि सरकार भले ही उनके हित की बात करती है और उन्हें अपना वोट बैंक समझती है लेकिन सरकार की नीतियां स्वर्ण वर्गों को ही दबाने और कुचलने की नजर आ रही हैं।

महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

सनत जैन

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमार्ना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

कांतिलाल मांडोत

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है।

महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए।

बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं।

कामकाजी महिलाओं के सम्मान समारोह का संदेश भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। महिला जब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भाग लेती है तो वह केवल अपनी आय नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक क्षमता को मजबूत करती है। ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार शुरू करे, खेत और पशुपालन से आय बढ़ाए, छोटे व्यवसाय का संचालन करे या शहर में नौकरी करे, प्रत्येक स्थिति में सुरक्षित वातावरण उसकी सफलता की अनिवार्य शर्त है। महिला को अवसर देना और अवसर तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ का प्रसंग भी महिला और बेटी के प्रश्न को एक दूसरे आयाम से जोड़ता है। पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा को अलग-अलग विषय समझना उचित नहीं है। कुपोषण से जूझती किशोरी, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गर्भवती महिला या आर्थिक कठिनाइयों से परेशान परिवार की बेटी के सपनों की राह स्वाभाविक रूप से कठिन हो जाती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की नीति में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को एक साथ देखना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अग्रणी राज्यों में पहुंचाने की चर्चा के बीच महिला भागीदारी को भी केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त भी है।

मुख्यमंत्री का यह संदेश कि अपराधियों को कठोर परिणाम भुगतना होगा, समाज के लिए तभी प्रभावी बनेगा जब इसके साथ महिलाओं में विश्वास भी लगातार मजबूत किया जाए। कानून का भय अपराधी के लिए और व्यवस्था पर भरोसा पीड़िता के लिए, दोनों समान रूप से जरूरी हैं। बेटियों को यह महसूस होना चाहिए कि शिकायत करने पर उनकी आवाज सुनी जाएगी और महिलाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थान उनका भी उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य नागरिक का।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब किसी पिता को बेटी को स्कूल भेजते समय भय न हो, किसी मां को काम से लौटती बेटी की चिंता न सताए और किसी युवती को अपने करियर का चुनाव सुरक्षा के सवाल से समझौता कर-के न करना पड़े। सरकार की योजनाओं का अंतिम उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि सुरक्षा कागज पर दर्ज व्यवस्था न रहकर आम महिला के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बने। महिलाओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी में दिया गया संदेश इसी व्यापक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। अपराधी के लिए कठोरता और महिला के लिए सम्मान, दोनों साथ चलें तो कानून व्यवस्था का अर्थ सार्थक होता है। बेटियों के सपनों पर पहरा नहीं, उन्हें उड़ान देने वाला वातावरण चाहिए। जब प्रदेश की बेटियां बिना भय के पढ़ेंगी, काम करेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास हासिल करेंगी, तभी विकास की तस्वीर पूरी होगी। महिला सुरक्षा इसलिए केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच।

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्नमानवाधिकारों को केंद्र में लाएंह्व को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ह्नमेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।ह्व गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्नलोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।ह्व यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरूआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

हिंदी दिवस पर साहित्यकार रामभरोषा कंडवाल सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हिंदी दिवस के अवसर पर ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति (गेप्स) एवं देवभूमि उत्कर्ष सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्यकार एवं लेखक रामभरोषा कंडवाल को 'शांति दूर साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डा. चंद्रमोहन बड़थ्वाल तथा रविंद्र सिंह रावत ने किया। इस अवसर पर रविंद्र सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान समय में जब पूरा विश्व युद्ध और बारूद के खतरे से जूझ रहा है, ऐसे दौर में 'अंगोला में भारतीय शांति दूत' जैसी पुस्तक की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यह कृति केवल एक सैनिक के अनुभवों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विश्व शांति, मानवीय संवेदनाओं और भारतीय शांति परंपरा का साहित्यिक प्रतिबिंब भी है।

आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते सदस्य

गोष्ठी में डा. चंद्रमोहन बड़थ्वाल ने प्रभावशाली काव्य पाठ कर साहित्य प्रेमियों को भाव-विभोर किया। वहीं, डा. रमाकांत कुकरेती ने अपनी ओजपूर्ण कविता 'हिंदुस्तान' के माध्यम से श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम और उत्साह का संचार किया। रामभरोषा कंडवाल ने अपनी चर्चित कविता 'अपनी भाषा का मान बढ़ाए' प्रस्तुत कर मातृभाषा हिंदी के प्रति सम्मान और गौरव का संदेश दिया। समारोह में 'अंगोला में भारतीय शांति दूत' के लेखक रामभरोषा कंडवाल को उनकी साहित्यिक कृति के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जगदंबा भारद्वाज, मनमोहन काला, डा. रमाकांत कुकरेती, भारत सिंह नेगी, अनुराग कंडवाल, जगदीश भारद्वाज सहित अन्य साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विद्यालयों में संचालित हो रहा चीनी भाषा चीनी भाषा अधिगम कार्यक्रम

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख विदेशी भाषा से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद पौड़ी गढ़वाल के 11 पीएम श्री माध्यमिक विद्यालयों में चीनी भाषा अधिगम कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सोमवार को डायट पौड़ी गढ़वाल एवं दून विवि के स्कूल ऑफ लैंग्वेज (चाइनीज स्टडीज) के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि चीनी भाषा को रोजगार के वैश्विक अवसरों से जोड़ने की पहल की जा रही है। कार्यक्रम में दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डांगवाल, चीनी भाषा विभाग के सहायक प्रो. डॉ. शैंकी चंद्रा, विभागाध्यक्ष प्रो. तन्वी नेगी, सह-समन्वयक दीपांशु सैनी, पौड़ी के मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना, सह-समन्वयक भारत भूषण परमार, कार्यक्रम समन्वयक शिवानी रावत सहित 11 पीएम श्री माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नोडल शिक्षक शामिल हुए। कुलपति प्रो. सुरेखा डांगवाल ने कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शादी के झूठे वादे का आरोप साबित न होने पर आरोपी दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शादी का झांसा देकर युवती से सात साल तक शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से इन्कार कर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) रजनी शुक्ला की अदालत ने आरोपी राहुल कुमार को दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों से दोनों के बीच सहमति से प्रेम संबंध और शारीरिक संबंध होने की बात सामने आती है, जबकि शादी का झूठा वादा किए जाने का आरोप अभियोजन पक्ष युक्तियुक्त संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

अभियोजन के अनुसार इंद्रानगर आमपड़ाव निवासी युवती ने 20 मार्च 2026 को पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि करीब सात वर्ष पहले उसकी राहुल कुमार से जान-पहचान हुई थी। राहुल ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती का आरोप था कि शादी की बात करने पर राहुल हर बार उसे टाल देता था। तहरीर में युवती ने गर्भवती होने, गर्भपात कराने तथा शादी के लिए पांच लाख रुपये, सोने की अंगूठी और कार की मांग किए जाने का भी आरोप लगाया था। साथ ही 17 फरवरी 2026 को शादी के लिए दबाव बनाने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता अपने पूर्व आरोपों से पलट गई। उसने अदालत में बयान दिया कि राहुल के साथ उसका प्रेम संबंध था और दोनों शादी के लिए तैयार थे। उसने यह भी कहा कि राहुल और उसके परिवार ने शादी के लिए सहमति जताई थी। पीड़िता ने लगाए गए आरोपों से इन्कार कर दिया। उसकी बहन ने भी अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया। अदालत ने संबंधित न्यायिक नजीरों का हवाला देते हुए कहा कि शादी का वादा तभी झूठा माना जाएगा, जब वादा करते समय ही उसे निभाने की मंशा न हो और इसी झूठे वादे का महिला के शारीरिक संबंध बनाने के निर्णय से सीधा संबंध हो। अदालत ने माना कि अभियोजन आरोपी के खिलाफ आरोपों को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। इसके आधार पर राहुल कुमार को दोषमुक्त कर दिया गया।

पुस्तक दान अभियान को मिल रहा व्यापक समर्थन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की पहल पर जनपद में चलाए जा रहे ‟एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं" अभियान को लगातार लोगों का सहयोग मिल रहा है। इसी क्रम में बदरी-केदार मंदिर समिति के सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती ने जिलाधिकारी विशाल मिश्रा से भेंट कर विभिन्न विषयों से संबंधित 35 पुस्तकें भेंट कीं। डॉ. विनीत पोस्ती द्वारा भेंट की गई पुस्तकों में धार्मिक, समसामयिक, विज्ञान, गणित सहित विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं और समाज में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर कम से कम एक पुस्तक दान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुस्तकों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में यह अभियान सराहनीय पहल है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने डॉ. विनीत पोस्ती का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ‟एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं" अभियान का उद्देश्य जनपद में पुस्तकालयों एवं अध्ययन केंद्रों को समृद्ध करना तथा बच्चों, युवाओं और आमजन में अध्ययन की रुचि को बढ़ावा देना है।

प्रधानों ने दी ब्लॉक मुख्यालय में तालाबंदी की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : दस सूत्री मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज प्रधान संगठन विकासखंड खिर्सू ने आंदोलन की चेतावनी है। संगठन ने 16 सितंबर को सुबह 10 बजे से विकासखंड मुख्यालय खिर्सू में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। प्रधानों ने मुख्यमंत्री से लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की है। खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी ने 14 सितंबर को जिलाधिकारी पौड़ी को पत्र भेजकर प्रधान संगठन के प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी दी है। पत्र में बताया गया है कि प्रधान संगठन विकासखंड खिर्सू के अध्यक्ष समेत 17 ग्राम प्रधानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन ब्लॉक कार्यालय में सौंपा है। प्रधान संगठन का कहना है कि लंबे समय से 10 सूत्री मांगों को उठाया जा रहा है, लेकिन अब तक इनका समाधान नहीं हो पाया है। लगातार मांग उठाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से ग्राम प्रधानों में नाराजगी है। इसी के विरोध में अब 16 सितंबर को ब्लॉक मुख्यालय में तालाबंदी कर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है।

निबंध और भाषण प्रतियोगिता में शिवानी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में सोमवार को हिंदी दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों के लिए भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता में शिवानी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता का विषय 'हिंदी भाषा एवं बोलियां तथा भाषण प्रतियोगिता का विषय 'हिंदी सिनेमा एवं साहित्य का अंतर्संबंध' रखा गया। निबंध प्रतियोगिता में शिवानी ने प्रथम, सोनिया ने द्वितीय तथा प्राकृति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं भाषण प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम, सलोनी रावत द्वितीय एवं कल्पना तृतीय स्थान पर रहीं। विद्यार्थियों ने हिंदी सिनेमा और साहित्य के पारस्परिक संबंध तथा समाज एवं संस्कृति पर इनके प्रभाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एलआर राजवंशी ने कहा कि हिंदी केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के साथ भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और संवर्धन में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुमन कुकरेती ने किया। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को हिंदी के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. अजय रावत, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. मानसी वत्स, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. अभिषेक कुकरेती, डॉ. ऊषा सिंह एवं डॉ. वसीम अहमद सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही और हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति जागरूकता एवं सम्मान का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टरों की हड़ताल जारी

श्रीनगर गढ़वाल : बेस अस्पताल में कार्यरत पीजी रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट की हड़ताल का असर अब बेस की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ने लगा है। चिकित्सक पिछले चार दिनों से हड़ताल पर हैं। हालांकि यह हड़ताली चिकित्सक इमरजेंसी सेवाओं में कार्य कर रहे हैं। केवल रूटीन ओपीडी और ओटी का ही बहिष्कार किया जा रहा है। चमोली, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग जिलों से रोजाना बड़ी संख्या में रोगी बेस अस्पताल इलाज के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में रेजिडेंट की हड़ताल से उन्हें भी परेशानियां होने लगी हैं। जिस ओपीडी में दो से तीन चिकित्सक तैनात होते हैं वहां एक चिकित्सक होने से ही मरीजों को घंटों लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एएन पांडे ने बताया कि नॉन पीजी और जेआर कार्य पर वापस लौट चुके हैं, आंदोलित रेजिडेंट को भी मनाने का प्रयास किया जा रहा है। रेजिडेंट की हड़ताल से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर थोड़ा-बहुत असर पड़ रहा है। वहीं वन नेशन वन स्टाइपेंड की मांग को लेकर पीजी रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट की हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। बेस अस्पताल ओपीडी ब्लॉक के सम्मुख आंदोलित रेजिडेंट ने धरना देते हुए प्रदर्शन किया। कहा कि यदि उनकी मांगें शीघ्र नहीं मानी गई तो वह आंदोलन को तेज करेंगे।

श्रीनगर में निकाली कलश यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल : भगवान गणेश के जयकारों के बीच सोमवार को नगर में कलश यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। साथ श्री गणेश मंदिर प्रांगण में श्री कूर्म महापुराण दिव्य कथा और धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हो गया। सुबह शारदा घाट स्थित हनुमान मंदिर से कलश यात्रा शुरू हुई। व्यास मधुसूदन घिल्डियाल ने श्री कूर्म महापुराण दिव्य कथा का श्रवण कराया। आयोजन के दौरान प्रतिदिन दोपहर तीन से शाम छह बजे तक कथा और रात सात बजे महाआरती होगी। आयोजकों ने बताया कि 25 सितंबर को सुबह सात बजे से हवन-पूजन शुरू होगा।

साईनीकृष्ण हिंदी हितैषी सम्मान से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : वर्षभर हिंदी में लेखन एवं दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए साईनीकृष्ण उनियाल को बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति की ओर से हिंदी हितैषी सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय कवि बादल बाजपुरी तथा संरक्षक पंकज शर्मा ने उन्हें सम्मान प्रदान किया।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में दो इन्ट्रेक्ट क्लबों का गठन

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी देते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार के तत्वावधान में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, कोटद्वार में जूनियर वर्ग के 'उड़ान' एवं सीनियर वर्ग के 'अचीवर्स' नाम से दो इन्ट्रेक्ट क्लबों का गठन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष रो. प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि इन्ट्रेक्ट क्लब का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना विकसित करना है। क्लब के माध्यम से छात्राओं को रोटरी के सेवा कार्यों से जुड़कर अपने व्यक्तित्व को निखारने और समाजहित में सक्रिया योगदान देने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान रोटरी सदस्यों ने छात्राओं को यातायात नियमों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा पॉलिथीन के दुष्प्रभाव और उसके सुरक्षित विकल्पों के बारे में जानकारी दी। साथ ही शिक्षा के महत्व, नियमित अध्ययन और भविष्य के प्रति सजग रहने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया गया। सीनियर वर्ग के 'अचीवर्स' क्लब में अनामिका को अध्यक्ष, नम्रता को सचिव और नंदिनी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं जूनियर वर्ग के 'उड़ान' क्लब में वर्षा अध्यक्ष, अक्षरा सचिव और उन्नति कोषाध्यक्ष चुनी गईं। दोनों क्लबों में 20-20 सदस्य रखे गए। क्लब के सभी सदस्यों को रोटरी अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने शपथ दिलाई। सोनी धस्माना को इन्ट्रेक्ट क्लब का कॉर्डिनेटर बनाया गया। कार्यक्रम में रो. ज्योति उपाध्याय, रो. अशोक अग्रवाल, रो. धीरज धर बछुवाण, रो. गोपाल बंसल एवं रो. उषा अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

23 सितंबर से होगी शुरू खण्ड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : विकासखण्ड एकेश्वर की संस्कृत छात्र प्रतियोगिताएं आगामी 23 और 24 सितम्बर को आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिताएं अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल में सम्पन्न होगी।

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु विकासखंड से राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली संस्कृत छात्र स्पर्धाओं के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही के दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में खण्ड संयोजक गणेश प्रसाद पसबोला ने बताया कि खण्ड स्तरीय छात्र स्पर्धा अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल में 23 एवं 24 सितंबर को आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिताएं दो वर्गों में होगी। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 6 से 10 और वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11 से स्नातकोत्तर तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेगें। उन्होंने बताया कि संस्कृत नाटकम्, संस्कृत समूह गान, संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत श्लोकच्चारणम्, संस्कृत वाद-विवाद, संस्कृत आशु भाषणम् प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रथम दिन कनिष्ठ वर्ग और द्वितीय दिन वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं सम्पन्न होगी। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा।

जिला स्तरीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में पौड़ी जनपद के 15 विकासखंडों से करीब 1400 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया। अंतिम दिन फुटबाल के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों में उत्साह भर दिया।

अंडर-14 बालक वर्ग के फुटबाल फाइनल में दुगड्डा ने पौड़ी को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-17 बालक वर्ग में कोट और पौड़ी के बीच मुकाबला निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर रहा। ट्राई ब्रेकर में भी दोनों टीमें 5-5 गोल से बराबरी पर रहीं। इसके बाद सडन डेथ में कोट के सारांश ने निर्णायक गोल कर अपनी टीम को 7-6 से जीत दिलाई। अंडर-19 बालक वर्ग में पौड़ी और पाबौ के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पाबौ के अक्षित नेगी ने पहला गोल दागा, जबकि पौड़ी के अर्जुन ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में पौड़ी के आदित्य ने निर्णायक गोल कर अपनी टीम को चैंपियन बना दिया। अंडर-17 बालिका वर्ग में कोट ने दुगड्डा को 2-0 से हराकर चैंपियनशिप जीती। वहीं, अंडर-19 बालिका वर्ग का फाइनल पौड़ी और दुगड्डा के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक मुकाबला रोमांचक रहा और विजेता का फैसला ट्राई ब्रेकर से हुआ। इसमें पौड़ी ने दुगड्डा को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। फुटबाल प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक राजकीय इंटर कॉलेज सीकू के सुरेंद्र सिंह रावत रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में चयनकर्ता बृजमोहन भंडारी, राजेश रावत, योगेंद्र पटवाल, जगमोहन बिष्ट और राकेश मोहन बलोधी समेत अन्य शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रमाकांत कुकरेती, मुकेश रावत, बलबीर सिंह नेगी और मनीष कोठियाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अंजली की गढ़वाली कविता प्रदेश में पहले स्थान पर

श्रीनगर गढ़वाल : ग्रामीण परिवेश में पढ़ने वाली आठवी की छात्रा अंजली पडियार ने अपनी कलम से गढ़वाली भाषा का मान बढ़ाया है। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज डांगचौरा की अंजली ने प्रदेश स्तरीय गढ़वाली कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। हिंदी दिवस पर सोमवार को देहरादून में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने अंजली को सात हजार रुपए की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उत्तराखंड भाषा संस्थान देहरादून की ओर से हिंदी और उत्तराखंड की लोक भाषाओं के उत्सव के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए कविता और निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें कक्षा आठ की अंजली ने गढ़वाली कविता लेखन में प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर विद्यालय के साथ ही क्षेत्र का नाम रोशन किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-07-TRD-MB-26-27-I	T-08-TRD-MB-26-27-I	T-09-TRD-MB-26-27-I
कार्य का नाम	"मुरादाबाद मंडल के शेष बचे खंड में एल.सी.गेटों के इंटरलॉकिंग के संबंध में टीआरडी कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।"	मुरादाबाद डिवीजन में ADSTE/HRI के अंतर्गत TUV>20000 वाले एल. सी. गेटों के इंटरलॉकिंग के संबंध में टीआरडी, कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं।	मुरादाबाद डिवीजन में ADSTE/MB के अंतर्गत TUV>20000 वाले एल. सी. गेटों के इंटरलॉकिंग के संबंध में टीआरडी, कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	05.10.2026 15:00 Hrs	05.10.2026 15:00 Hrs	11.09.2026 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹66,71,904.49 (Including GST @18%)	₹91,54,735.82 (Including GST@18%)	₹79,38,337.79 (Including GST@18%)
बिड सिक्योरिटी राशि (₹)	₹1,33,400/-	₹1,83,100	₹1,58,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य(₹)	NIL	NIL	NIL
ऑफर की वैधता(दिन)	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.		

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-13 दिनांक: 14.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के 3162/2026

आबकारी विभाग की छापेमारी से आक्रोशित ग्रामीणों ने डीएम से की मुलाकात

डीएम ने एसडीएम पौड़ी को सौंपी मामले की जांच

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आबकारी विभाग की कार्रवाई से आक्रोशित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी पौड़ी स्वाति एस भदोरिया से मुलाकात की। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच करने, आबकारी विभाग के छापामार दल को बर्खास्त करने और सोर्स को सार्वजनिक करने की मांग की। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दे दिये है। मामले की जांच एसडीएम पौड़ी को सौंपी गई है।

मामला कल्जीखाल ब्लाक के दिवई गांव का है जहां किसी के कहे सुने पर आबकारी विभाग उस युवा के घर पर छापा मार देता है जो छः साल से देहरादून रह रहा है। घर पर उसके बूढ़े मां बाप को धमकाया जाता है, अन्य परिजनों के घर के ताले तोड़े जाते हैं, लेकिन उनके हाथ लगता कुछ नहीं है। इस कार्रवाई से आक्रोशित ग्रामीण सोमवार को जिलाधिकारी पौड़ी से मिलने पहुंचे। ग्रामीणों ने पूरे मामले की जानकारी डीएम को दी। ग्रामीणों ने बताया कि बिना सर्च वारंट और बिना आईडी के आबकारी विभाग की टीम गांव पहुंच गई, विरोध करने पर युवक के माता-पिता और चचेरी बहन को धमकाया गया और उनके फोन छीन लिये गये। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताई। ग्राम प्रधान अनुसूया देवी के नेतृत्व में आए ग्रामीणों ने आबकारी विभाग के छापामार दल को बर्खास्त करने और सोर्स को सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी ठेकों में जहां ओवर रेट शराब बिक रही और शराब की तस्करी हो रही है उनके खिलाफ तो कोई कार्रवाई नहीं हो रही है तथा जिनका शराब के कारोबार से कोई लेना-देना नहीं है उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। जिलाधिकारी गढ़वाल ने मामले की जांच के आदेश दे दिए है। एसडीएम पौड़ी इस प्रकरण की जांच करेंगी। डीएम ने भी सख्त कार्रवाई का भरोसा ग्रामीणों को दिया है। ग्रामीणों ने भी तत्काल न्यायिक कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय डबराल, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख अर्जुन पटवाल, अजय पटवाल, रविंद्र बिष्ट, उमाशंकर रावत आदि शामिल थे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 12.09.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	185-DRM-MB-26-27 Dt. 10.09.2026	191-DRM-MB-26-27 Dt. 12.09.2026
कार्य का नाम	Turnout renewals and allied miscellaneous track works in the jurisdiction of SSE/P.way/DDN under ADEN/HW	Provision of High-Level Platforms (PF 1 & 2) and FOB along with ramp towards HW end at Rishikesh.
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	1,04,93,088.62	4,33,75,197.47
धरोहर राशि	2,09,900.00	8,67,500.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	08.10.2026 16:00	08.10.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	24.09.2026	24.09.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3157/26

600 मी0 दौड़ में श्रेयांस, दिव्या ने मारी बाजी

द्वारीखाल ब्लॉक की शरद एवं शीतकालीन खेल प्रतियोगिताएं शुरू, ब्लॉक प्रमुख बीना राणा ने किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखण्ड द्वारीखाल की ब्लॉक स्तरीय शरद एवं शीतकालीन तीन दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू हो गई है। इस अवसर पर आयोजित 600 मी0 दौड़ बालक वर्ग में प्रथम स्थान श्रेयांस एमपीएस सतपुली, द्वितीय स्थान प्रिन्स रावत जीयूपीएस गुमखाल, तृतीय स्थान अनुज जीयूपीएस हिलोगी, 600 मी0 दौड़ बालिका वर्ग में प्रथम स्थान दिव्या राणा एमपीएस सतपुली, द्वितीय स्थान तानिया जीयूपीएस हिलोगी, तृतीय स्थान अनिका एसएसवीएमचैलूसैण ने प्राप्त किया।

सोमवार को डाडामण्डी क्रीडा स्थल में क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख द्वारीखाल बीना राणा, अति विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र सिह राणा, विशिष्ट अतिथि विनोद गर्ग, अमित पोखरियाल, दिनेश नेगी, खण्ड शिक्षा अधिकारी खुशाल सिंह टोलिया ने संयुक्त रूप से माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि बीना राणा ने मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा खेल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं धनराशि प्रदान की गयी। मुख्य अतिथि बीना राणा ने विभिन्न स्कूलों से आए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हार जीत की भावना से ऊपर उठते हुए खेल का भरपूर लुत्फ उठाते हुए खेलें। कहा कि खेलों में भी छात्र अपना कॅरियर बना सकते हैं। सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की विशेष सुविधाएं प्रदान कर रही है। अति विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र सिह राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा विभाग का खेलों के प्रति अच्छा सकारात्मक दृष्टिकोण है। सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों में भी खेल का कोटा निर्धारित किया गया है, जो छात्र-छात्राएं खेलों में अपनी प्रतिभा दिखा सकते है उन्हें सरकार द्वारा विशेष सुविधाएं दी जा रही है।

इस अवसर पर जय सिंह बिष्ट खेल समन्वयक, नीरज पथिक खेल सह समन्वयक, शूरवीर सिंह खेल सहसमन्वयक, रघुबीर सिंह राणा, मनीष राणा जिला मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ पौड़ी, भीम सिंह बिष्ट अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारीखाल, नवीन कन्नौजिया अध्यक्ष जू.शि.स. द्वारीखाल, अर्जुन भण्डारी, अर्जुन सिह जिला पंचायत सदस्य, सुराडी, प्रधान ग्राम पंचायत लोषण, तीरथ सिह प्रधान ग्राम पंचायत रिंगवाडगांव, रविन्द्र चौहान प्रधान ग्राम पंचायत सैंज मल्ला, सरेश सिह प्रधान ग्राम पंचायत बल्ली, मनमोहन सिंह प्रधान ग्राम पंचायत जमेली आदि उपस्थित रहे।

हिमालय भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक चेतना का महत्वपूर्ण आधार

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में हिमालयी संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन को समर्पित पत्रिका 'हिमालयन संस्कृति' के प्रवेशांक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हिमालयन संस्कृति' पत्रिका के माध्यम से हिमालयी राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक आस्थाओं, रीति-रिवाजों, लोक कला, लोक साहित्य, इतिहास, विरासत तथा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विविध आयामों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही हिमालय की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान से युवा पीढ़ी को परिचित कराने के प्रयास सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक चेतना का महत्वपूर्ण आधार है। हिमालयी लोक परंपराओं और विरासत का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह विशेषांक हिमालयी समाज की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का संदर्भ-स्रोत बनने के साथ संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ हिमालयी पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता को भी नई दिशा प्रदान करने में भी सहायक होगा। पत्रिका के संपादक रजनीश कौंसवाल ने कहा कि इस विशेषांक में हिमालयी संस्कृति के विविध पक्षों को एक मंच पर लाने तथा हिमालय की लोक स्मृतियों, परंपरागत ज्ञान, लोक कलाओं, सामाजिक जनसरोकारों और पर्यावरणीय चेतना को दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किया है।

यमुनोत्री धाम समेत गई गांवों में बिजली गुल

बड़कोट। रवांई घाटी में बिजली आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए। रविवार–सोमवार की मध्यरात्रि मुख्य विद्युत लाइन में फाल्ट आने से यमुनोत्री धाम समेत नौगांव, पुरोला और मोरी ब्लॉक के बड़े हिस्से में करीब 11 घंटे बिजली गुल रही। रातभर आपूर्ति बाधित रहने से लोगों के मोबाइल फोन शोपीस बने रहे और जरूरी कामकाज प्रभावित हुआ। सबसे बड़ी परेशानी यह रही कि मुख्य लाइन में खराबी के बावजूद एक दशक से अधिक समय पहले तैयार की गई वैकल्पिक व्यवस्था भी क्षेत्र को राहत नहीं दे सकी।

मध्यरात्रि में आपूर्ति बाधित होने के बाद ऊर्जा निगम की टीम ने फाल्ट तलाशने का काम शुरू किया। जंगलों के बीच से गुजर रही बड़ी विद्युत लाइन में खराबी होने के कारण फाल्ट का स्थान तलाशने में कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 11 घंटे बाद सोमवार सुबह लगभग 10 बजे आपूर्ति बहाल हो सकी।

एसडीओ रोबिन सिंह ने बताया कि जंगलों के बीच गुजर रही मुख्य लाइन में फाल्ट आने से आपूर्ति बाधित हुई थी। फाल्ट तलाशने और उसे दुरुस्त करने में समय लगा। टीम ने लगातार काम कर सुबह करीब 10 बजे आपूर्ति सुचारू कर दी। इधर, स्थानीय लोगों ने वैकल्पिक लाइन की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए इसे हर समय दुरुस्त रखने की मांग की है।

ब्लॉक प्रमुख सरोज पंवार, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल, यमुनोत्री मंदिर समिति प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, व्यापार मंडल के सुरेंद्र सिंह रावत, सोहन गैरोला और मदन जोशी ने कहा कि यमुनोत्री धाम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में घंटों बिजली संकट गंभीर विषय है। मुख्य लाइन फेल होने पर तत्काल वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था की जानी चाहिए।

भंगेली में बढ़ रही है फोड़े–फुंसियों की शिकायत

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के भंगेली गांव में बच्चों समेत करीब 20–25 लोगों में फोड़े–फुंसियों की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांव में निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंचकर प्रभावित लोगों की जांच कर दवा दे चुकी है। ग्राम प्रधान के अनुसार फिलहाल सभी बच्चे ठीक हैं। ग्रामीणों ने नए जलस्रोत से पेयजल आपूर्ति शुरू होने के बाद समस्या सामने आने की बात कही है। ग्राम प्रधान संदीप सिंह ने बताया कि करीब 10 से 15 वर्ष की उम्र के कुछ बच्चों में फोड़े–फुंसियों की शिकायत सामने आई थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नौ संक्रमित बच्चों समेत करीब 20–25 लोगों की जांच कर दवा दी। सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने बताया कि बारिश के मौसम में हाइजीन से जुड़े बैक्टीरिया पनपने और साफ–सफाई की कमी के कारण इस तरह की समस्या संभवतः हो सकती है।

प्रशिक्षु अधिकारी क्यूंजा गांव में करेंगे ग्राम दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखंड अगस्त्यमुनि स्थित क्यूंजा गांव में ग्राम दर्शन कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को क्षेत्रीय प्रशासन, सहभागी शासन एवं जन-केंद्रित विकास की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। ग्राम दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु अधिकारी क्यूंजा गांव की विकासात्मक एवं जनसांख्यिकीय स्थिति का प्रत्यक्ष अध्ययन करेंगे। इस दौरान गांव की जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, आधारभूत सुविधाओं, सरकारी योजनाओं की पहुंच, स्थानीय संसाधनों तथा प्रमुख समस्याओं से संबंधित आवश्यक आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। एकत्रित आंकड़ों एवं स्थानीय स्तर से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा सूक्ष्म ग्राम विकास रिपोर्ट तैयार की जाएगी। कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षु अधिकारी सर्वप्रथम जिलाधिकारी विशाल मिश्रा एवं मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत से भेंट कर जनपद की विकासात्मक

प्राथमिकताओं, प्रशासनिक व्यवस्था तथा ग्राम स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात क्यूंजा गांव पहुंचकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से संवाद करेंगे और क्षेत्र की जमीनी आवश्यकताओं, चुनौतियों तथा विकास की संभावनाओं को समझेंगे। ग्राम दर्शन के दौरान प्रशिक्षु अधिकारी ग्रामीणों से सीधे संवाद कर यह भी जानेंगे कि सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ धरातल पर किस प्रकार पहुंच रहा है। साथ ही स्थानीय संसाधनों एवं संभावनाओं के आधार पर गांव के समग्र विकास के लिए आवश्यक सुझावों को भी संकलित किया जाएगा।

एक नजर

सीएचसी में डॉक्टरों तैनाती के लिए लोग मुखर

बड़कोट। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की भारी कमी को लेकर सोमवार को व्यापारियों और स्थानीय लोगों का आक्रोश सड़क पर उतर पड़ा। अस्पताल परिसर में सांकेतिक धरना–प्रदर्शन कर लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर चिंता जताई और एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सीएचसी नगर क्षेत्र के साथ आसपास के गांवों की बड़ी आबादी का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री धाम पहुंचने वाले हजारों श्रद्धालु और पर्यटक भी आपात स्थिति में इसी अस्पताल पर निर्भर रहते हैं। इसके बावजूद पर्याप्त चिकित्सक नहीं हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2015 में शासन ने सीएचसी बड़कोट के लिए चिकित्सकों के आठ नए पद स्वीकृत किए थे लेकिन वर्तमान में इनमें से केवल एक दंत चिकित्सक के पद पर नियुक्ति है। शेष पद लंबे समय से रिक्त हैं। इससे मरीजों को उपचार के लिए दूर–दराज के अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। लोगों ने स्त्री रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी, सर्जन और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ समेत अन्य जरूरी चिकित्सकों की नियुक्ति, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसव सुविधाओं को मजबूत करने और चारधाम यात्रा को देखते हुए आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की।

मांगों के निराकरण के लिए प्रधान संगठन हुआ मुखर

पुरोला। गांवों की सरकार के धैर्य का बांध अब टूटने लगा है। प्रदेश प्रधान संगठन की 10 सूत्री मांगों पर चार माह बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्राम प्रधानों ने आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है। पुरोला ब्लॉक प्रधान संगठन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर चेतावनी दी है कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो 16 सितंबर को प्रदेशभर के ब्लॉक मुख्यालयों पर सांकेतिक धरना–प्रदर्शन किया जाएगा।

खंड विकास अधिकारी के माध्यम से भेजे ज्ञापन में प्रधानों ने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे निचली और महत्वपूर्ण कड़ी है लेकिन पर्याप्त अधिकार, संसाधन और वित्तीय व्यवस्था के अभाव में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने ग्राम प्रधानों का मासिक मानदेय 20 हजार रुपये करने, पंचायत सदस्यों को मानदेय देने और ग्राम पंचायतों की राज्य एवं केंद्रीय वित्त की धनराशि बढ़ाने की मांग प्रमुखता से उठाई है। प्रधानों ने मनरेगा और वीबीजी–रामजी योजना में श्रमिकों की उपस्थिति ऑफलाइन करने, कुशल–अकुशल श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने, पंचायतों को अधिक अधिकार देने और जिला योजना के प्रस्ताव ग्राम सभाओं से पारित कराने की मांग भी रखी है। इसके साथ प्रधानों के स्वास्थ्य व जीवन बीमा, पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में प्राथमिकता, ग्राम प्रधान निधि और 10 लाख रुपये तक के विकास कार्यों में ग्राम पंचायत को कार्यदायी संस्था बनाने की मांग शामिल है।

स्कूल बने पर्यावरण संरक्षण की पाठशाला

पुरोला। पर्यावरण संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को जन आंदोलन बनाने की दिशा में पुरोला ब्लॉक में बड़ा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। खास बात यह है कि अभियान का केंद्र गांव नहीं बल्कि विद्यालयों को बनाया गया है।ग्रामीण महिला स्वास्थ्य चेतना एवं स्वरोजगार विकास समिति पुरोला, उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून के सहयोग से विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को कचरा पृथक्कीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण रोकने और स्वच्छ पर्यावरण के महत्व की जानकारी दे रही है। संस्था के जिला समन्वयक शिवम बिजल्वाण, ब्लॉक समन्वयक नवीन कोहली एवं ओमप्रकाश के नेतृत्व में अभियान आगे बढ़ रहा है। संस्था के अनुसार, एक इंटर कॉलेज में आसपास के 8 से 15 गांवों के विद्यार्थी पढ़ते हैं।

द्वितीय चरण की केदारनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर डीएम ने ली विभागीय बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी श्री विशाल मिश्रा ने सोमवार को जिला सभागार में केदारनाथ यात्रा के द्वितीय चरण की यात्रा तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में यात्रा मार्ग, स्वास्थ्य, पेयजल, पशुपालन, खाद्य आपूर्ति, यातायात, स्वच्छता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग की सड़कों को 15 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से गड्ढामुक्त किया जाए तथा इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा के कारण यदि कहीं सड़क बंद होती है तो उसे तत्काल यातायात के लिए खोला जाए। इसके लिए संवेदनशील स्थानों पर आवश्यक मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को सभी एमआरपी में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा

कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का तत्काल समाधान किया जा सके। पशुपालन विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने सभी पशु चिकित्सा केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही यात्रा मार्ग पर पशुओं के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभाग को सभी पेयजल लाइनों की मरम्मत एवं आवश्यक रखरखाव का कार्य समय से पूरा करने को भी कहा। वहीं पूर्ति विभाग को यात्रा अवधि के दौरान पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का भंडारण एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि स्थानीय लोगों के साथ ही यात्रियों को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो। खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग को यात्रा मार्ग एवं प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठानों में नियमित निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रतिष्ठान में एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री या मानकविहीन उत्पाद पाए जाते हैं तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारुल गोयल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आशीष रावत, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली, जिला आबकारी अधिकारी रमेश बगंवाल, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश से दस ग्रामीण सड़कें बंद, 18 घंटे बाद खुला सारीगाड–कंडारी मार्ग

उत्तरकाशी। बारिश के चलते जिले में ग्रामीण सड़कों पर आवाजाही लगातार प्रभावित हो रही है। सोमवार को चार और सड़कें बंद होने के बाद जनपद में कुल 10 ग्रामीण मोटरमार्ग यातायात के लिए बंद पड़े हैं। इनमें सारीगाड–कंडारी मोटर मार्ग भी शामिल रहा, जो रविवार दोपहर भारी भूस्खलन के बाद करीब 18 घंटे तक बंद रहा। सोमवार सुबह साढ़े छह बजे मार्ग खुलने के बाद कंडारी क्षेत्र के करीब 27 गांवों की आवाजाही बहाल हो सकी। सारीगाड–कंडारी मोटरमार्ग पर रविवार दोपहर करीब एक बजे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिरा था। मलबा सड़क के नीचे से गुजर रहे हरबर्टपुर–यमुनोत्री हाईवे तक पहुंचने से वहां भी यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि हाईवे को रविवार शाम तक ही खोल दिया गया था, लेकिन कंडारी मार्ग पर लगातार मलबा गिरने के कारण आवाजाही शुरू नहीं हो सकी। सूचना के बाद संबंधित विभाग की मशीनरी मौके पर पहुंची और रविवार दोपहर से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। भूस्खलन प्रभावित हिस्से में बार–बार मलबा गिरने के कारण कर्मचारियों को रातभर मशक्कत करनी पड़ी। सोमवार सुबह मार्ग यातायात के लिए खोल दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सारीगाड–कंडारी मार्ग का यह हिस्सा लंबे समय से भूस्खलन जोन बना हुआ है। बारिश के दौरान यहां बार–बार मलबा आने से ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित होती है। इधर, जिले में भंक्वाड़, पासा–पोखरी, नैटवाड़–हटवाड़ी, सरू–ओसला, रानाचट्टी–निसणी, मोरी–सालरा और कोटगांव–कलाप समेत कई ग्रामीण मार्ग बंद हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि बंद मार्गों को जल्द खोलने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।

जिला मुख्यालय पर गूंजा गणपति का जयघोष

उत्तरकाशी। गणेश चतुर्थी के अवसर पर असी गंगा घाटी के दस गांवों में गणेश महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। केलशू घाटी के ग्रामीणों ने कंडार देवता मंदिर से भगवान गणेश की भव्य शोभायात्रा निकाली। सोमवार को अगोड़ा, ढासड़ा, दंदालका, भंकोली, गजोली, नौगांव, सेकू और नाल्ड समेत आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण कंडार देवता मंदिर पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने पारंपरिक रासो–तांदी लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर पहाड़ की लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। डोडीताल स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर के पुरोहित डॉ. राधेश्याम खंडूड़ी और संतोष खंडूडी ने बताया कि शोभायात्रा के बाद भगवान गणेश की मूर्ति को डोडीताल के बेस कैंप अगोड़ा गांव में स्थापित किया जाएगा। दस दिनों तक विशेष पूजा–अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान होंगे। महोत्सव के अंतिम तीन दिनों में जिले के विभिन्न गांवों से देव डोलियों का समागम होगा। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ लोक संस्कृति और परंपरा से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष नागेंद्र चौहान, मुख्यमंत्री गढ़वाल समन्वय किशोर भट्ट, डुंडा ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार, कमल सिंह रावत, उमेश पंवार, दिग्विजय सिंह नेगी, महादेव सिंह रावत, विजय बहादुर सिंह रावत, प्रताप रावत आदि मौजूद रहे।

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त जन शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण करें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन 1905 की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जन शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिकायतों का निस्तारण केवल पोर्टल पर औपचारिक रूप से बंद करने तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में जिस प्रकृति की शिकायतें सबसे अधिक प्राप्त हो रही हैं, संबंधित जिलाधिकारी उन शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर उनका यथाशीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक ही प्रकृति की शिकायतें बार-बार आने के कारणों

का भी विश्लेषण किया जाए और ऐसी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को तहसीलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यह विशेष रूप से देखा जाए कि दाखिल-खारिज से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर हो रहा है या नहीं। भूमि धोखाधड़ी से संबंधित जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और निर्धारित सेवाएं उन्हें समयबद्ध रूप से उपलब्ध हों। सचिव, विभागाध्यक्ष और जिलाधिकारी अपने स्तर पर नियमित रूप से लंबित शिकायतों की समीक्षा करें। जिन शिकायतों का निर्धारित समयावधि के भीतर निस्तारण नहीं किया जा रहा है, उनमें संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के पुराने प्रकरणों की विभागीय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए और उनके लंबित रहने के कारणों की भी समीक्षा की जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, एल. फैनई, डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक हॉफ कपिल लाल, सचिवगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में बाढ़ से तबाही, मृतकों की संख्या 1386 हुई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,386 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन के बाद आई बाढ़ ने उत्तर और मध्य नेपाल के कई शहरों और गांवों को तबाह कर दिया। आठ प्रभावित जिलों में शव बरामद किए गए हैं। रसुवा में 185, नुवाकोट में 199, धादिंग में 70, गोरखा में 77 और तनाहुन में 38 शव मिले हैं। चितवन में सबसे ज्यादा 364, नवलपरासी पूर्व में 229 और नवलपरासी पश्चिम में 222 शव बरामद हुए हैं। काठमांडू में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हुई। बरामद शवों में अब तक सिर्फ 104 की पहचान हो सकी है। करीब 5,130 लोग अभी लापता हैं और 13,728 लोगों को बचाया जा चुका है। 19 अस्पतालों में 339 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि 37 राहत केंद्रों में 3,761 लोग रह रहे हैं।

न्यूयॉर्क में ट्रंप का बचपन का घर 20 लाख डॉलर में बिका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बचपन का घर बिक गया है। न्यूयार्क शहर में मौजूद यह घर 20 लाख डॉलर में बिका। खरीदार का नाम नहीं बताया गया है। ट्रंप चार साल की उम्र तक ट्यूडर शैली में बने इस क्वींस एस्टेट में रहे। उनके पिता फ्रेड ट्रंप ने 1940 में जमैका एस्टेट्स के पाश इलाके में यह घर बनवाया था। कई सालों से यह घर परिवार के पास नहीं है। यह घर कई बार बिक चुका है। विक्रेता टामी लिन ने पांच बेडरूम और तीन बाथरूम वाला घर पिछले साल 835,000 डॉलर में खरीदा था। यह घर कई सालों से खाली और उपेक्षित था। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, घर की हालत खराब हो गई थी। पाइप फटने से पानी और फफूंद लग गया। बिल्लियों के झुंड ने उस जगह डेरा जमा लिया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक डेवलपर लिन ने इंटीरियर को पूरी तरह से बदलने के लिए आठ महीने में पांच लाख डॉलर और खर्च किए।

पाकिस्तान में छह महीने में बाल शोषण के 1900 से अधिक मामले दर्ज, पंजाब प्रांत में मिले 80 फीसदी केस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस साल छह महीने में बच्चों के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार के 1,914 मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा कि ये मामले जनवरी से जून 2026 के बीच दर्ज किए गए हैं। इन मामलों की व्यापकता बेहद चिंताजनक है। बच्चों पर अत्याचार करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'हम उन बच्चों की बात कर रहे हैं जिन्हें उनके परिवारों, समुदायों और राज्य द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए, लेकिन वे हिंसा और दुर्व्यवहार का शिकार बन रहे हैं। इसे अलग-थलग घटनाओं की श्रृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।' रहमान ने कहा कि रिपोर्ट किए गए मामलों में से 80 प्रतिशत पंजाब प्रांत से थे, जिससे मौजूदा बाल संरक्षण तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा, 'इन आंकड़ों से यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है कि क्या बच्चे सुरक्षित रूप से दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, क्या संरक्षण संस्थान पर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं।

कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।' प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

पांच किमी लंबी मेज, 20 हजार लोग और गिनीज रिकॉर्ड: बच्चों के अस्पताल के लिए जुटाया पैसा

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शनिवार को एक अनोखा आयोजन हुआ। यहां करीब 20 हजार लोग एक साथ एक मीलों लंबी मेज के आसपास बैठे। मकसद सिर्फ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक बड़े अस्पताल के लिए पैसा जुटाना भी था। आयोजन का नाम 'यूनाइटिंग टेबल' रखा गया था। यह 5,055 मीटर लंबी थी और यूनिरी बुलेवार्ड से लेकर संविधान चौक तक फैली हुई थी। इसके सामने रोमानिया की कम्युनिस्ट दौर की विशाल संसद भवन की इमारत मौजूद थी। आयोजन में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए और कई मेजों को फूलों और खाने-पीने की चीजों से सजाया गया था। लोगों ने एक साझा उद्देश्य के लिए इस पूरे आयोजन में हिस्सा लिया।

'यूनाइटिंग टेबल' की कुल लंबाई 5,055 मीटर थी और इसे पुनर्चक्रित सामग्री से तैयार किया गया था। इसी वजह से इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

कौन सा गिनीज रिकॉर्ड बना : इस आयोजन के बाद रोमानिया स्थित 'ब्लूम द वर्ल्ड एसोसिएशन' को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र दिया गया। रिकॉर्ड पुनर्चक्रित सामग्री से बनाई गई सबसे लंबी मेज का है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वरिष्ठ निर्णायक और आधिकारिक ऑन-स्क्रीन जज जोआन ब्रेंट भी बुखारेस्ट के कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने मंच से कहा कि इस रिकॉर्ड को सिर्फ उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसका इस्तेमाल एक वास्तविक सामाजिक उद्देश्य के लिए किया गया।

इस आयोजन से जुटाया पैसा कहां जाएगा : आयोजन से जुटाई गई रकम बुखारेस्ट के ओब्रेगिया अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बनने वाली नई मनोरोग चिकित्सा सुविधा के निर्माण में लगाई जाएगी। मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के मुताबिक यह सुविधा 3,900 वर्ग मीटर में बनेगी। परियोजना पर करीब 1.65 करोड़ यूरो खर्च होने का अनुमान है। इसका निर्माण निजी दान और प्रायोजकों की मदद से किया जा रहा है। फाउंडेशन का कहना है कि मौजूदा बाल मनोरोग विभाग पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह में चल रहा है, जो बच्चों और उनके परिवारों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नई इमारत में पांच मंजिलें होंगी। यहां चिकित्सा कक्षों के साथ व्यावसायिक चिकित्सा और आभासी वास्तविकता वाले कमरे भी बनाए जाएंगे। अस्पताल में संवेदी और शैक्षणिक स्थान, अलग विश्राम क्षेत्र और किशोरों में नशे की लत के इलाज के लिए एक विशेष विभाग भी होगा।

बच्चों के लिए नए अस्पताल की जरूरत क्यों पड़ी : मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के अनुसार रोमानिया में गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनमें अवसाद, व्यवहार संबंधी विकार, नशीले पदार्थों का इस्तेमाल, ऑटिज्म और एडीएचडी जैसी समस्याएं शामिल हैं। फाउंडेशन के मुताबिक गंभीर मानसिक विकारों से जुड़े बच्चों के मामले 2018 में 3,839 से बढ़कर 2024 में 5,600 से ज्यादा हो गए। मौजूदा बाल मनोरोग क्लिनिक में 62 बिस्तर हैं। फाउंडेशन का कहना है कि कई वार्डों में बड़ी संख्या में बिस्तर हैं, लेकिन उनके साथ अलग बाथरूम नहीं हैं। जगह की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों के साथ निजी बातचीत करना भी मुश्किल हो जाता है। नए अस्पताल से हर साल गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे 5,700 से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था की जगह बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा माहौल तैयार करना है। क्या पहले भी ऐसा रिकॉर्ड बना चुका है रोमानिया इससे पहले सबसे लंबी पुनर्चक्रित सामग्री वाली मेज का गिनीज रिकॉर्ड भी 'ब्लूम द वर्ल्ड' के पास ही था। यह रिकॉर्ड रोमानिया के मध्य हिस्से में स्थित अल्बा इउलिया शहर में बनाया गया था। उस समय मेज की लंबाई 2,782 मीटर थी और यह रिकॉर्ड पिछले साल इसी तारीख को दर्ज किया गया था।

नए आयोजन में बुखारेस्ट की मेज ने पुराने रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया। संगठन की प्रतिनिधि एलेक्सा विल्कान ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को बच्चों के पहले मनोरोग अस्पताल के लिए दान करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। रोमानिया की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने क्या चुनौती है रोमानिया में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट भी एक बड़ी चुनौती है। यूरोपीय संघ के सांख्यिकी कार्यालय यूरोस्टैट के अनुसार 2023 में रोमानिया का स्वास्थ्य बजट सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के मुकाबले 5.7 प्रतिशत था। यह यूरोपीय संघ के करीब 10 प्रतिशत के औसत से काफी कम था। इसी बीच रोमानिया के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जांद्रु रोगोबेते ने इस परियोजना को समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने अस्पताल के लिए जरूरी उपकरण और फर्नीचर उपलब्ध कराने की बात कही है।

अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या: आरोपी ने महीनों पीछा कर बरसाईं गोलियां; फिर खुद को भी गोली मार ली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आठ सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में रेस्तरां के बाहर हुई। आरोप है कि भारत का 22 वर्षीय रोहित कई महीनों से शालिनी का पीछा कर रहा था और उन्हें परेशान कर रहा था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, वारदात वाले दिन रोहित शालिनी की कार के पास पहुंचा। शालिनी ने उससे बचने के लिए भागने की कोशिश की तो रोहित ने उनका पीछा किया और बंदूक निकालकर उन पर कई गोलियां चला दीं। आरोपी ने शालिनी का पीछा किया: शालिनी ने जब रोहित से बचकर भागने की कोशिश की, तो उसने उनका पीछा किया और गोली चला दी। जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं रुका: शालिनी के गिरने के बाद रोहित ने बेहद करीब से उनके सिर में भी गोली मारी, इसके बाद वह वहां से भाग गया।

वारदात के बाद आरोपी के साथ क्या हुआ : गोलीबारी के बाद रोहित अपनी कार से वहां से फरार हो गया। अधिकारियों ने उसकी कार के चालक को बाहर आने के लिए कहा। इसके बाद पता चला कि रोहित ने खुद को गोली मार ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। सैक्रामेंटो काउंटी कोरोनर कार्यालय के हवाले से फॉक्स40 डॉट कॉम ने यह जानकारी दी। यानी जिस व्यक्ति पर शालिनी की हत्या का आरोप है, उसकी मौत भी इसी घटना के बाद हो गई। अमेरिकी गृह

सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रोहित भारत का रहने वाला था और 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका आया था।

रोहित का अमेरिका में रहने का क्या स्टेटस था : अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, शुक्रवार तक उसकी आव्रजन स्थिति से जुड़ी सटीक जानकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी थी।

जांच में पता चला कि रोहित कम से कम जनवरी से शालिनी को परेशान कर रहा था और उनका पीछा कर रहा था। शालिनी को अपनी कार के बोनट के नीचे एक एप्पल एयरटैग मिला था। इसके बाद रोहित के उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की बात सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने शालिनी की कार के टायरों की हवा भी निकाल दी थी और उनका पीछा करते हुए काम की जगह तक पहुंच जाता था। वहां वह शालिनी को मदद की पेशकश करता था।

फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव, मृतकों की संख्या 76 हुई

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है। तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कयाबयाब ने बताया कि जीवित बचे लोगों के अनुसार आग बहुत तेजी से फैली और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने तक का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'बारिश से जहाज के खुले हिस्सों को ढकने वाली तिरपाल एक संभावित कारण हो सकती है, लेकिन अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग इसके अंदर फंस गए थे या नहीं।' जांचकर्ता यह भी देखेंगे कि आग लगने की स्थिति में तय आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं। इसमें यह भी जांच होगी।

यूक्रेन के कई शहरों में रूसी हवाई हमलों का तांडव, 90 मिनट में दागे 500 ड्रोन, नौ लोगों की मौत, कई घायल

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन हमलों में रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेनी ठिकानों पर लगभग 500 ड्रोन दागे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस युद्ध के मोर्चे से ध्यान हटाकर अर्थव्यवस्था पर हमले कर रहा है। जिससे युद्धकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता करने वाले हर ठिकाने को बर्बाद किया जा सके।

रूसी सेना ने आम लोगों को बनाया निशाना : यूक्रेन के प्रमुख फ्रंटलाइन शहर क्रामाटोर्स्क की नगर परिषद ने रूसी हमलों की आलोचना करते हुए बताया कि, रूस अब यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर हमले करने के साथ-साथ आम नागरिकों को भी निशाना बना रहा है। शनिवार को 90 मिनट के अंदर हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। परिषद ने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुए हमलों में कोई भी सैन्य ठिकाने नहीं थे, बल्कि आम नागरिक जो अपनी निजी कारों में अपने सामान्य कामकाज के लिए निकले थे उन्हें निशाना बनाया गया।

किराने की दुकान पर ड्रोन हमला : यूक्रेन के कई शहरों में रूस की ओर से किए गए हमलों में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। झिटोमिर क्षेत्र के गवर्नर विटाली बुनेचको के अनुसार, ज्वियाहेल शहर में एक किराना स्टोर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। हमले में दो पेट्रोल पंप और विदेशी निवेश वाली एक कंपनी भी प्रभावित हुई है।

जापोरिज्जिया और क्रिवी रिह में भी हमले : जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि क्षेत्र में हुए हमलों में दो लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में रातभर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए। सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र के मुताबिक, इन हमलों में दो लोगों की जान चली गई। वहीं, काला सागर के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा में भी हमले जारी रहे। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह कीपर ने बताया कि रात से शनिवार शाम तक हुए हमलों में करीब 40 लोग घायल हुए हैं। डोनेट्स्क में यूक्रेनी ड्रोन हमलों का दावा इस बीच, रूस के नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत होने की बात सामने आई है।

सऊदी अरब ने कई हमलों के बाद ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद की, कई लोग घायल

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने गुरुवार को कई हमलों के बाद एहतियात के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को बंद करने का ऐलान किया है. सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने बयान में कहा कि हमलों में देश के सेंट्रल रियाद इलाके और वेस्टर्न मदीना इलाके में पाइपलाइन को टारगेट किया गया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं.

ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रियाद और मदीना इलाकों में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर गुरुवार, 10 सितंबर 2026 की सुबह कई हमले किए गए. ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई रिलीज में कहा गया कि एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया गया था. हमलों में कई लोग घायल हुए, और जिन लोगों पर असर हुआ, उन्हें

मेडिकल केयर दी गई. सोर्स ने कहा कि हमलों के तुरंत बाद इमरजेंसी और स्पेशलाइज़्ड टेक्निकल टीमों ने जवाब दिया, और पाइपलाइन को सुरक्षित करने और मंजूर सेफ्टी प्रक्रिया और इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान के हिसाब से, संबंधित अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में इसकी सेफ्टी का पता लगाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए. पोस्ट में आगे लिखा गया कि कोई भी डेवलपमेंट सही समय पर बताया जाएगा. सऊदी अरब ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन में भारी इन्वेस्ट किया है, जो उसके पूर्वी फील्ड्स से कच्चा तेल रेड सी पोर्ट यानबू तक ले जाती है, और होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करती है. इस बीच, सऊदी फॉरेन मिनिस्ट्री ने शुक्रवार को कहा कि इराक से उसकी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन अटैक किया गया, जिससे चोटें आईं और नुकसान हुआ. एक बयान में, मिनिस्ट्री ने अटैक की निंदा की और कहा कि इराकी प्राइम मिनिस्टर के कहने पर, किंगडम ने इस स्टेज पर जवाब देने से मना कर दिया था.

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का मकसद इराकी सरकार को सऊदी अरब के खिलाफ इराकी इलाके से होने वाले हमलों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का मौका देना था. उसने यह भी कहा कि देश अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सुविधाओं और नागरिकों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है. इराकी सेना ने बयान में कहा कि हम सऊदी अरब के जवाबी कार्रवाई न करने के फैसले का स्वागत करते हैं. इसके साथ-साथ सऊदी सिक्योरिटी को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी हमले की निंदा भी करते हैं, और कहा कि उसने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जांच का आदेश दिया है.

बांग्लादेश में हिंदू पत्रकार की संदिग्ध मौत: दफ्तर में फंदे से लटका मिला शव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक अखबार 'समकाल' के न्यूजरूम में एक वरिष्ठ हिंदू पत्रकार का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बरिसल जिले में स्थित अखबार के ब्यूरो कार्यालय में हुई इस घटना ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बरिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव दफ्तर के अंदर फंदे से लटकता पाया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वहीं, बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' अखबार से हटा दिया गया था। वह बरिसल प्रेस क्लब के महासचिव पद पर भी रह चुके थे और इससे पहले उन्होंने कई वर्षों तक एक अन्य अखबार 'जुगांतर' के साथ काम किया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चटर्जी की मौत की परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। पार्टी का दावा है कि शव की जो तस्वीर लीक हुई है, उससे साफ पता चलता है कि यह स्वाभाविक मौत या सामान्य आत्महत्या नहीं है। पार्टी ने कहा कि तस्वीर में उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति इस तरह फंदे पर लटककर नहीं मर सकता। यह साफ तौर पर एक पूर्वनियोजित साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने और क्यों अंजाम दिया।

अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन के 2001 से 2006 के पांच साल के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में अल्पसंख्यकों पर जो बर्बरता हुई थी, वही हालात 2026 में फिर से देखने को मिल रहे हैं। पार्टी ने कहा कि मंदिरों पर हमले करना, घरों में आग लगाना, जमीनों पर कब्जा करना, महिलाओं के खिलाफ भयानक यौन हिंसा और अनगिनत हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर करना यह सारा मंजर आज 2026 में फिर आंखों के सामने लौट आया है। पुलक चटर्जी उस दौर में भी पत्रकारिता कर रहे थे। उन्होंने इन अत्याचारों को देखा, उनके बारे में लिखा और वे उन घटनाओं के प्रमुख गवाह थे। पार्टी के अनुसार, उन्हें खामोश करने का मतलब इतिहास की आवाज को ही दबाने की कोशिश करना है। अवामी लीग ने बीएनपी और जमात पर 2001-06 की घटनाओं को 2026 में दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों का दमन, पत्रकारों का उत्पीड़न और असहमति की आवाज को कुचलना उनकी राजनीति के मुख्य आधार रहे हैं। पार्टी ने कहा कि पुलक चटर्जी एक अल्पसंख्यक थे, पत्रकार थे और 'समकाल' के ब्यूरो प्रमुख थे। यानी वे इन तीनों का प्रतिनिधित्व करते थे और उनकी हत्या करके इन तीनों आवाजों को एक साथ खत्म करने की कोशिश की गई है। पार्टी ने कहा कि चटर्जी उस दौर के प्रत्यक्षदर्शी थे जब बीएनपी-जमात गठबंधन ने कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के खून से बांग्लादेश की जमीन को लाल किया था।

22 साल से फ्रीज था भ्रूण: ग्रीस में 54 साल की महिला फिर से बनी मां

एथेंस , एजेंसी। अपने सबसे कठिन दौर से उबरते हुए, एक ग्रीक दंपति ने इस सप्ताह जन्मे बच्चे के साथ एक नई शुरुआत की। ऐसा करने के लिए उन्हें क्रिस्टीना राप्ती-त्जेलेपी के दशकों पुराने भ्रूणों में से एक का उपयोग करना पड़ा। इसके साथ ही सरकारी समय सीमा से पहले ही बच्चे को जन्म देना पड़ा।

क्या है मामला : अक्तूबर में एक सड़क दुर्घटना में अपने 21 वर्षीय बेटे की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद, अब 54 वर्षीय राप्ती-त्जेलेपी और उनके पति ने 22 वर्षों से जमे हुए भ्रूण का उपयोग करके एक और प्रयास करने का निर्णय लिया। राप्टी-त्जेलेपी को महिलाओं के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय अथॉरिटी से मंजूरी पाने की ग्रीक सरकार की 54 साल की उम्र सीमा का सामना करना पड़ रहा था। जब उन्होंने शुरुआत की, तो समय पहले ही कम पड़ रहा था।

त्जेलेपी ने क्या कहा : उन्होंने कहा, 'मेरे पास सिर्फ ढाई महीने का समय था। यह तनावपूर्ण था, लेकिन अंदरूनी हिम्मत और हमारे डॉक्टर व उनकी पूरी टीम के साथ होने की वजह से हमने हर मुश्किल का सामना किया। उन्होंने बुधवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका वजन 3.49 किलोग्राम था। शुक्रवार को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजे अस्पताल के कमरे में नए माता-पिता भावुक हो गए।

'हमने जिंदगी को एक और मौका दिया' : काले पजामे में बिस्तर पर बैठीं राप्टी-त्जेलेपी ने कहा, 'हमने जिंदगी को एक और मौका देने, नई शुरुआत करने, अपने घर में नई जिंदगी लाने और अपने परिवार की कहानी को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मेरी इच्छा है कि वह स्वस्थ और खुश रहे, हमारे पहले बच्चे की तरह खुशियों से भरी रहे, जिसने हमारे घर को हंसी-खुशी से भर दिया था।'

यह केस क्यों खास : यह बच्चा महिला के उस भ्रूण से पैदा हुआ था जिसे 22 साल से भी ज्यादा समय पहले फ्रीज

किया गया था। प्रेग्नेंसी के लिए फ्रीज किए गए फर्टिलाइज्ड अंडे का इस्तेमाल करने के मामले में यह बहुत लंबा समय है। पिछले साल, ओहियो के एक जोड़े ने 'एम्ब्रियो अडॉप्शन' (भ्रूण गोद लेने) की प्रक्रिया के जरिए 30 साल से ज्यादा समय तक फ्रीज किए गए भ्रूण से पैदा हुए एक बच्चे का स्वागत किया था और उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से पहचान मिली थी।

स्त्री रोग विशेषज्ञ ने क्या कहा : राप्टी-त्जेलेपी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और हेलेनिक सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के प्रमुख डॉ. कोस्टास पैंटोस ने तर्क दिया कि ग्रीस में उम्र की पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि देश में जन्म दर तेजी से गिर रही है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के रहने वाले पैंटोस ने कहा, 'कानून बहुत सख्त है। 54 साल और एक दिन की उम्र भी मंजूर नहीं है। शायद अब इसे बदलने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा अधिकार है जिससे माता-पिता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए।'

बच्ची के पिता ने क्या कहा : बच्ची के 60 वर्षीय पिता, कॉन्स्टेंटिनोस राप्टिस ने अपनी नई बेटी को गोद में लिया, जो सफेद बॉडीसूट पहने उनके कंधे पर सो रही थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार में उम्मीद जगाने के लिए डॉक्टर के बहुत आभारी हैं। रैप्टिस ने कहा, 'उन्होंने हमारा हाथ पकड़ा और हमें घोर अंधेरे से बाहर निकाला। हम उस अंधेरे से बाहर निकल आए हैं। मेरा मानना है कि अब हमारे पास जीने के लिए बहुत कुछ है। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम जॉर्जिया रखा, जो उनके दिवंगत बेटे जियोर्गोस की याद में था। जियोर्गोस का जन्म भी आईवीएफ से हुआ था। उन्होंने एक और बच्चे के लिए कोशिश करने की संभावना को भी खारिज नहीं किया है। हो सकता है कि इसके लिए वे विदेश जाएं।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

हिंदी को विज्ञान, तकनीक, शोध और डिजिटल दुनिया की भी मजबूत भाषा बनाना होगा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में साहित्यकारों, लेखकों, भाषाविदों, छात्र-छात्राओं और हिंदी प्रेमियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी दिवस हमारी संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय चेतना के गौरव को संजोने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक पहचान की सशक्त अभिव्यक्ति है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं, बोलियों और संस्कृतियों के बीच संवाद का सेतु बनकर विविधता में एकता की भावना को मजबूत किया है। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस अपनी भाषा, राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक गौरव पर गर्व करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने भारतेंदु हरिश्चंद्र की पंक्तियों निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय के सूल। का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार भी होती है। जो समाज अपनी भाषा को सहेजता है, वह अपनी संस्कृति और पहचान को भी सुरक्षित रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाषा और साहित्य का संबंध अत्यंत गहरा है। भाषा यदि शरीर है तो साहित्य उसकी आत्मा है। उत्तराखण्ड ने हिंदी और भारतीय साहित्य को अनेक महान विभूतियां दी हैं। राष्ट्रकवि सुमित्रानंदन पंत ने हिमालय और प्रकृति को अपनी कविताओं में अमर स्वर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान के माध्यम से जीवनभर साहित्य साधना करने वाले साहित्यकारों को पांच लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जा रही है। उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान के अंतर्गत हिंदी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, जौनसारी, पंजाबी और उर्दू सहित विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है।

बिना नेटवर्क के श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करना मुश्किल

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम नितिका खंडेलवाल ने कई समस्याओं का निस्तारण किया। लोगों ने पुनर्वास, प्रतिकर भुगतान, आपदा से क्षतिग्रस्त आवास और पुलिया निर्माण, सड़क, पेयजल और सोलर सुविधा प्रदान करने आदि समस्याएं रखी। जनता मिलन कार्यक्रम में सीमांत गंगी गांव की प्रधान अंगूरा देवी के प्रतिनिधि ने गांव में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण वीबी– जीरामजी के श्रमिकों की ऑफलाइन उपस्थिति की अनुमति देने की मांग की। चंबा जल संस्थान में कार्यरत अस्थायी फीटर कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग की। बौराड़ी व्यापार मंडल ने कवर्ड मार्केट और फर्नीचर मार्केट में एबीडी द्वारा किए गए रेनोवेशन कार्य का एक माह का शेष भुगतान और कवर्ड मार्केट में शौचालय को सुचारू कराने की मांग की। मनियार के ग्राम कोट निवासी रोशनी देवी ने इंटर पास बेटी के लिए समाज कल्याण विभाग से आर्थिक मदद की मांग की।

दोहरी जिम्मेदारी पर डीएम ने तय किया ड्यूटी रोस्टर

नई टिहरी। वरिष्ठ कोषाधिकारी नई टिहरी का पदेन दायित्व और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के मुख्य वित्त अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार देख रहे मनोज कुमार पांडेय के लिए अब जिलाधिकारी ने कार्य दिवस तय कर दिए हैं। कोषागार का काम प्रभावित न हो इसके लिए सप्ताह में तीन दिन वरिष्ठ कोषाधिकारी को कोषागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार वरिष्ठ कोषाधिकारी अब प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार और शनिवार कोषागार नई टिहरी में अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन करेंगे। वहीं शेष तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल में मुख्य वित्त अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार से जुड़े कार्यों का संपादन करेंगे।

आदेश में कहा गया है कि दोनों कार्यालयों में उपस्थित रहने के दिन कार्य सुविधा और जनहित को देखते हुए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित दिवसों में संबंधित कार्यालय में अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनी रहनी चाहिए।

डीएम ने दोनों दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए है। निर्धारित कार्य दिवस पर किसी बैठक में शामिल होना आवश्यक होने पर संबंधित अधिकारी से अनिर्वाय रूप से अनुमति लेने को कहा है।

लंबे इंतजार के बाद पोखार– पंजगांव सड़क का निर्माण काम शुरू

घनसाली (टिहरी)। पोखार–गेंवली–पंजगांव को जोड़ने वाली 10.50 किमी लंबी सड़क का निर्माण सोमवार से शुरू हो गया। 14.05 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क से चार से अधिक गांवों के 500 से अधिक परिवारों को लाभ मिलेगा। लंबे समय से सड़क की मांग कर रहे ग्रामीणों ने निर्माण शुरू होने पर खुशी जताई।विधायक शक्ति लाल शाह ने सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने बताया कि इस सड़क निर्माण में वन भूमि समेत अन्य अड़चनें आ रही थी। जिससे कार्य में विलंब होता गया। सड़क निर्माण अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। कहा कि विधानसभा क्षेत्र के ज्यादातर गांव अब सड़क सुविधा से जुड़ चुके हैं। कुछ तोक अभी अवशेष हैं, जिनकी डीपीआर शासन को भेजी जा चुकी है। इस मौके पर ग्राम प्रधान सुषमा रावत, कमलेश्वर कंसवाल, कुशाल रावत, हिम्मत राणा, रवि शाह, उदय पंवार, भरत सिंह रावत, उत्तम पंवार, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी तैयारी

देहरादून। अगले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में अनुसूचित जाति की आरक्षित 13 सीटों के अलावा दो सामान्य वर्ग की सीटों पर भी भाजपा अनुसूचित जाति के प्रत्याशी उतारकर आरक्षित दांव खेल सकती है। प्रदेश में चल रहे शुद्धिकरण विवाद को संगठन पूरी गंभीरता से ले रहा है। लिहाजा, अंदरखाने इस पर विचार किया जा रहा है कि 13 के साथ दो और मिलाकर कुल 15 प्रत्याशी अनुसूचित जाति से हों। 2022 के चुनावी नतीजों को देखें तो प्रदेश में कुल 13 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटें हैं। इनमें से नौ पर भाजपा और चार पर कांग्रेस के विधायक चुने गए थे। हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले पर जिस तरह से कोर कमेटी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चर्चा की है, उससे साफ है कि भाजपा इस मुद्दे को लेकर गंभीर है। संगठन का मकसद है कि आरक्षित सीटों में जीत का आंकड़ा बढ़े। लिहाजा, अंदरखाने इस पर विचार चल रहा है कि सामान्य वर्ग की भी दो सीटों पर अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को मैदान में उतारा जाए। ऐसा करने से संगठन अनुसूचित जाति समाज में अपनी पैठ और मजबूत करना चाहेगा।

कांग्रेस प्रदेशभर में शुरू करेगी काम मांगो अभियान

चमोली। कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से प्रदेशभर में काम मांगो अभियान शुरू किया जाएगा। चमोली जिले के जोशीमठ से इस अभियान की शुरूआत की जाएगी। आगामी दो माह तक हर ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम किए जाएंगे।

रविवार को कांग्रेस भवन में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित फर्स्वाण की अध्यक्षता में हुई बैठक में अभियान की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तराखंड प्रभारी दीपक राठौर विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, युवाओं के पलायन और स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने के मुद्दे पर चर्चा की गई।

बैठक के बाद प्रेसवार्ता में उत्तराखंड प्रभारी दीपक राठौर ने कहा कि उत्तराखंड के गांवों को मजबूत किए बिना राज्य का समग्र विकास संभव नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों, मनरेगा, लघु व कुटीर उद्योग, कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन और स्वरोजगार के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

प्रदेश के युवाओं को सम्मानजनक रोजगार देने की मांग

इसके लिए सरकार को ठोस और दीर्घकालिक रोजगार नीति बनानी चाहिए। सरकारी विभागों के खाली पदों पर शीघ्र भर्ती, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, स्वरोजगार योजनाओं को प्रभावी बनाने और गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में सरकार को तत्काल कदम उठाने के लिए विवश किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ढोल की थाप, बप्पा का प्रताप, तीर्थनगरी में गूंजा गणपति का जाप

ऋषिकेश। ढोल–नगाड़ों, भक्ति संगीत और गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के बीच ऋषिकेश में सोमवार को छठे गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। श्री गणपति सेवा मंडल की ओर से हरिद्वार रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में शुरू हुए तीन दिवसीय महोत्सव के पहले दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे आयोजन स्थल पर सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा।

विश्व हिंदू महासंघ व श्री गणपति सेवा मंडल, ऋषिकेश की संयुक्त पहल पर आयोजित महोत्सव का उद्घाटन उत्तराखंड के पद्मश्री जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण, मेयर शंभू पासवान और पूर्व मेयर अनीता ममगाईं ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने भगवान गणेश की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर प्रदेश और क्षेत्र की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महोत्सव के पहले दिन भगवान गणपति की प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई। मंत्रोच्चार और पूजा–अर्चना के बीच जैसे ही गणपति की आरती हुई, श्रद्धालुओं ने जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों में सहभागिता करते हुए भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक मंडल के केके सचदेवा ने बताया कि गणेश महोत्सव का आयोजन 14 से 16 सितंबर तक किया जा रहा है। इस दौरान धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न भजन संध्याओं का आयोजन किया जाएगा।

विधायक ने हिंदी शिक्षकों को किया सम्मानित

ऋषिकेश। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में हिंदी का शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों को विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने सम्मानित किया। विधायक अग्रवाल ने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार, सभ्यता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की पहचान है।

हिंदी को जन–जन तक पहुंचाने और आने वाली पीढ़ियों को अपनी मातृभाषा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति गौरव का भाव जगाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर सुशीला बर्थवाल, नीलम रावत, प्रमोद बडोला, डॉ. नागेंद्र प्रसाद पोखरियाल, मोहनलाल रणाकोटी, नीता गोस्वामी, आदि शिक्षको को सम्मानित किया गया।

एसडीएम करेंगी बिजली की लाइनों की जांच

ऋषिकेश। एसडीएम ऋषिकेश कुमकुम जोशी खदरी खड़कमाफ, भट्टोंवाला और गुमानीवाला क्षेत्र में बिजली की लाइनों की लौपिंग चौपिंग के संबंध में जांच करेंगी। डीएम डॉ.आशीष चौहान ने कहा कि खदरी खड़कमाफ में महिला और बच्चे की मौत के बाद भी ऊर्जा निगम की ओर से बिजली की लाइनों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग खदरी खड़कमाफ, भट्टोंवाला और गुमानीवाला में बिजली के लाइनों के आसपास पेड़ों की लॉपिंग चौपिंग न होने की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिए कि राजस्व विभाग की मौके पर भेजकर रिपोर्ट बनाई जाए। इस रिपोर्ट को ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता को भी दी जाए जिससे विद्युत दुर्घटना से बचा जा सके।

वादों से इतर काम करने वाले नेतृत्व की तलाश में छात्र–छात्राएं

ऋषिकेश। श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पं. ललित मोहन शर्मा परिसर में छात्र संघ चुनाव का प्रचार अभियान इन दिनों जोर–शोर से चल रहा है। विभिन्न पदों के प्रत्याशी छात्र–छात्राओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। चुनाव को लेकर परिसर में छात्र–छात्राओं के बीच खासा उत्साह और हलचल देखने को मिल रही है।

छात्र–छात्राएं अपने प्रतिनिधियों के चयन को लेकर उत्सुक हैं और प्रत्याशियों के मुद्दों व चुनावी वादों पर चर्चा कर रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि वे ऐसे छात्र संघ पदाधिकारी चाहते हैं, जो केवल चुनाव के दौरान किए गए वादों तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे वर्ष छात्रों के बीच मौजूद रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करें।

प्रदेश की सभी सड़कों को जल्द गड्ढामुक्त किया जाए

15 अक्टूबर के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से यात्रा कर स्वयं जायजा लेंगे

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सड़कों को जल्द गड्ढामुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं सुधारीकरण के कार्यों में तेजी लाई जाए। जिलाधिकारी भी अपने-अपने जनपदों में सड़कों की स्थिति की नियमित समीक्षा करें और संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चिश्चत करें। सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अक्टूबर के बाद वे कभी भी सड़क मार्ग से यात्रा कर औचक निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखा जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा मार्गों पर यातायात, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक

व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। संबंधित जिलाधिकारी और विभाग आपसी समन्वय से यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तीसरे चरण को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए तथा जनसमस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य शासन और प्रशासन को जनता के और निकट लाकर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। मुख्यमंत्री ने 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। जनसेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण को केंद्र में रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने स्वाइन फ्लू सहित विभिन्न संक्रामक एवं जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करें तथा साफ-सफाई व्यवस्था, आवश्यक दवाइयों एवं अन्य चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता का जायजा लें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, एल. फैनई, डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक हॉफ कपिल लाल, सचिवगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

गांजा तस्करी करने निकले महिला समेत दो आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रायवाला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान महिला समेत मेरठ निवासी दो कथित गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 5 किलो 315 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी सीज कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, 13 सितंबर को रायवाला पुलिस की टीम खाण्डगांव पुलिया से करीब 50 मीटर आगे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल संख्या – 4286 पर सवार एक महिला समेत दो संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से अंकित कश्यप (23), निवासी मेरठ और निशा जाटव (34), निवासी मेरठ को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ कोतवाली रायवाला में मु0अ0सं0 147/2026, धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मेरठ से गांजा खरीदकर ऋषिकेश में बेचने की थी योजना

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि अंकित कश्यप मेरठ स्थित एक डांस स्टूडियो में बच्चों को डांस सिखाता है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला निशा के बच्चे भी उसी के पास डांस सीखते हैं।

पुलिस का दावा है कि अंकित ने मेरठ के एक स्थानीय नशा तस्कर से गांजा खरीदा था। इसके बाद वह निशा के साथ गांजा लेकर ऋषिकेश में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने के इरादे से निकला था।

बीस से पच्चीस दिन में विद्युत बिल आने से उपभोक्ता हुए परेशान

जौलीग्रांट। ऊर्जा निगम की मनमानी उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि ऊर्जा निगम एक माह के स्थान पर बीस से पच्चीस दिन में ही लोगों को बिजली का बिल भेज रहा है जिससे लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ वर्ष पहले तक उपभोक्ताओं को दो माह में बिल भेजे जाते थे। उसके बाद निगम की ओर से एक माह के भीतर ही उपभोक्ताओं को बिजली के बिल भेजे जाने लगे हैं जिसका लोगों ने विरोध भी किया था। ऐसे में अब बीस से पच्चीस दिनों के भीतर ही बिजली के बिल उपभोक्ताओं को थमाए जा रहे हैं जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ता का आरोप है कि बिजली का बिल आने के कुछ दिन बाद ही अपना बिल जमा कराते हैं। बिल जमा कराते ही कुछ दिन बाद उन्हें दूसरा बिल थमाया जा रहा है जिससे असमंजस में पड़ जाते हैं कि नया बिल कौन से महीने का आया है। कुछ वर्ष पहले तक दो महीनों में उपभोक्ताओं को बिजली के बिल भेजे जाते थे। तब विद्युत यूनिट भी काफी सस्ती होती थी। धीरे–धीरे विद्युत दरों में वृद्धि होती रही। जिससे अब बिजली के बिल काफी भारी भरकम आने लगे हैं।

वहीं उपभोक्ताओं की खपत भी काफी बढ़ गई है। कांग्रेस नेता और उपभोक्ता जितेंद्र बिष्ट ने कहा कि रायपुर क्षेत्र सहित पूरे क्षेत्र में अब एक महीने से पहले भी बिजली के बिल आ रहे हैं।

रुड़की में युवक ने चाकू से गर्दन पर किया वार

रुड़की। रुड़की के गणेश चौक के पास सोमवार सुबह उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक युवक ने कथित तौर पर चाकू से अपनी गर्दन पर वार कर खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। अचानक हुई इस घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोग घबरा गए। सूचना मिलने पर गंगनहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार घटना सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक रुड़की रेलवे स्टेशन की ओर से पैदल गणेश चौक की तरफ आ रहा था। शुरुआत में उसके व्यवहार से आसपास के लोगों को किसी अनहोनी का अंदाजा नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि तुलसी हॉस्पिटल के पास पहुंचने के बाद युवक ने अचानक अपने पास मौजूद चाकू से अपनी गर्दन पर वार कर लिया। सड़क पर अचानक हुई घटना से आसपास के लोगों में

हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

पुलिस ने तत्काल पहुंचाया अस्पताल

गंगनहर कोतवाली पुलिस टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए पुलिस ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना उसे सरकारी वाहन से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में युवक का उपचार किया जा रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पहचान और वजह की जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसके पीछे की वजह भी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस युवक की पहचान करने के साथ ही घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके माध्यम से युवक के आने–जाने के रास्ते और घटना से पहले उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राजधानी के कोरोनेशन अस्पताल में चले जूते–चप्पल

देहरादून। राजधानी देहरादून के जिला चिकित्सालय कोरोनेशन में देर रात मेडिकल कराने पहुंचे दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। अस्पताल परिसर में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के युवकों ने एक–दूसरे पर जूते–चप्पल तक फेंके। हंगामे के दौरान अस्पताल की व्हीलचेयर क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ईएमओ (इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर) कक्ष के बाहर लगा शीशा भी टूट गया। विवाद शांत कराने पहुंचे अस्पताल के पीआरडी जवान के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पहले बाहर हुआ था विवाद, मेडिकल के लिए पहुंचे थे अस्पताल

जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 11:30 बजे किसी विवाद को लेकर दो

युवकों के बीच अस्पताल के बाहर कहासुनी और मारपीट हुई थी। इसके बाद दोनों पक्ष मेडिकल परीक्षण कराने के लिए कोरोनेशन अस्पताल पहुंचे। बताया जा रहा है कि मेडिकल की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही दोनों पक्षों के बीच अस्पताल परिसर में किसी बात को लेकर दोबारा कहासुनी शुरू हो गई।

देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के युवक एक–दूसरे से भिड़ गए। अस्पताल परिसर में ही हाथापाई और धक्कामुक्की शुरू हो गई। कुछ ही देर में दोनों ओर से जूते–चप्पल फेंके जाने लगे। इससे अस्पताल में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

व्हीलचेयर क्षतिग्रस्त, ईएमओ कक्ष का शीशा टूटा

मारपीट और हंगामे के दौरान अस्पताल में रखी व्हीलचेयर भी चपेट में आ गई और उसे नुकसान पहुंचा। वहीं, ईएमओ कक्ष के बाहर लगा शीशा भी टूट गया। देर रात अस्पताल में हुए इस हंगामे से वहां मौजूद मरीजों और तीमारदारों में भी दहशत का माहौल पैदा हो गया।

बीच–बचाव करने पहुंचे पीआरडी जवान से भी मारपीट

स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल में तैनात पीआरडी जवान ने दोनों पक्षों को शांत कराने और विवाद रोकने का प्रयास किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

âæÚU-â×æ¿a

°×°Ü°â

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज़्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज़्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई। भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।